<u>मानचित्र के हाशिये की सूचनायें</u> (Map marginal information)-

यहां पर सिर्फ उसी मानचित्र का उल्लेख है जो कि सैन्य-विज्ञान के विद्यार्थियों एवं सैनिकों के लिए उपयोगी है। हम जब मानचित्र देखते है तो मानचित्र में सर्वे किए हुए भूमि प्रदर्शन के अतिरिक्त मानचित्र के ऊपर और नीचे मानचित्र से संबंधित कुछ महत्वपूर्ण सूचनायें अंकित रहती हैं जिनका समझना सभी के लिये अति आवश्यक है। ये सूचनायें मानचित्रों के अध्ययन के लिये कुन्जी होती है। इन्हीं की सहायता से मानचित्रों में प्रदर्शित क्षेत्र के बारे में पूर्ण और सही जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

(अ) मानचित्रों में ऊपर के हाशिये पर बायें सिरे से दाहिने सिरे तक सूचनायें निम्नलिखित क्रम से अंकित रहती हैं -

1. **जिले का नाम -** जिस जिले के भू-भाग का चित्रण होता है उसका नाम, जैसे- "Varanasi District"
2. **क्षेत्र की पैमाइश (सर्वे) करने का वर्ष -** जैसे -"Surveyed 1920-21"
3. **प्रदेश का नाम (State) -** वह प्रदेश जिसमें दिये हुए मानचित्र का भू-क्षेत्र स्थित है, जैसे- "Uttar Pradesh"
4. **(A) संस्करण (Edition) -** जैसे - "First Edition"

(B) सही उत्तर (True North) तथा ग्रिड उत्तर (Grid North) का उत्तरान्तर (Variation) जैसे- "Mean Grid North in this sheet is 1° 48' East of True North."

(C) चुम्बकीय उत्तरान्तर (Mangnetic Variation) वर्ष सहित, अर्थात् सही उत्तर (True North) से चुम्बकीय उत्तरान्तर किसी दिये हुए वर्ष में कितना था, जैसे "Magnetic Variation from True North 1/4° West in 1962."

(D) वार्षिक परिवर्तन (Annual Change) - अर्थात् चुम्बकीय उत्तरान्तर प्रत्येक वर्ष कितना घटता बढ़ता है, जैसे- "Annual Increase '3 degree '

(A) पत्रक (Sheet) का नाम - जैसे- "Two Cm Sheet 54 B/3 First Edition Gridded."

(B) पत्रक संख्या (Sheet No.)- जैसे "No. 54 B/3." इस प्रकार की सूचना सैन्य कार्यों के लिए विशेष महत्व की होती हैं।

(ब) मानचित्र में नीचे के हाशिये पर बायें सिरे से प्रारम्भ करते हुए दाहिने सिरे तक निम्नलिखित सूचनायें क्रमश: अंकित रहती हैं -

6. (A)मानचित्र में प्रयुक्त होने वाले चिह्नों की सूची (Legends) - इस सूची में वे सांकेतिक चिह्न (Conventional Signs) दिये जाते हैं जो प्राय: समान रूप से सभी मानचित्रों के लिये इस्तेमाल होते हैं।

(B)प्रकाशन तिथि तथा संस्करण तिथि - जैसे- "Previous Issue 1922; 1st edition 1946

(C)पत्रक का नाम - जैसे "Two Cm Sheet 54 B/3 First Edition Gridded."

7. पत्रक सूची संख्या (Index to Sheet) - इसमें एक चौखट बना रहता है, जिसमें उन भूखण्डों के मानचित्रों की पत्रक संख्याओं का उल्लेख होता है, जो कि अध्ययन किये जाने वाले मानचित्र के भूमिखण्ड के चारों ओर स्थित होते हैं।

8. (A) पद सहित अधिकारी का नाम जिसके निर्देशन में मानचित्र प्रकाशित हुआ है।

(B) मापक (Scale) - किलोमीटर और मीटर में प्रदर्शित दो मापक रेखायें अंकित होती हैं। इन रेखाओं के ऊपर ही कथन द्वारा शब्दों में (Statement in Words) तथा प्रदर्शक भिन्न (Representative Fraction or R.F.) के रूप में मापक लिखे रहते हैं।

(C) कुछ सांकेतिक चिह्नों की विशेषतायें तथा धरातल की आकृतियों (Relief Features) पर टिप्पणियाँ, संकेतों के लिए प्रयोग किये जाने वाले रंग, समोच्च रेखा (Contour line) प्रणाली, तथा ऊर्ध्व-अन्तर (Vertical Interval) आदि का उल्लेख होता है।

(D) जाल (ग्रिड) व्यवस्था सूचनायें (Grid System Informations)

9. प्रशासकीय सूची (Administrative Index) - इसके अंतर्गत मानचित्र में प्रदर्शित क्षेत्र में स्थिति सभी प्रशासकीय सीमाएं प्रदर्शित रहती हैं।

10. मानचित्रों में प्रयुक्त होने वाले अन्य चिह्नों की द्वितीय सूची।

<u>फ्रेम सूचनाएं (Frame Information) -</u> मानचित्र के घेरे के अन्दर उत्तरी दक्षिणी, पूर्वी तथा पश्चिमी भागों में संकरी पट्टी (Strip) में निम्नलिखित सचनायें अंकित रहती हैं -

1. अक्षांश (Latitude) और देशान्तर (Longitude) रेखाओं के सूचक अंक डिग्री, मिनट में।
2. एक पत्रक से दूसरे पत्रक में सम्मिलित क्षेत्रों का उल्लेख।
3. पत्रक के बाहर जाने वाली सड़कों के नाम, उनका गन्तव्य स्थान तथा उन स्थानों की दूरी किलोमीटर में।
4. ग्रिड रेखाओं के सूचक अंक।
5. शून्य देशान्तर (Greenwich) से उस क्षेत्र के दूरी सूचक अंक।